

तत त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय गज्ज (भुंगा)

नवसृजन

विद्यालय ई-पत्रिका

2019-20

आयुक्त सन्देश

संतोष कुमार मल्ल



अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय, भुंगा सत्र 2019-20 के लिए अपनी ई- पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है | विद्यालय पत्रिका एक ऐसा पटल है जो नवोदित लेखकों को अपनी सृजनात्मक क्षमता की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करता है | मैं आश्वस्त हूँ कि शिक्षकगण छात्रों को 21 वीं सदी के नए युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यालय की सभी गतिविधियों में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे, मुझे विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा तथा विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को व्यक्त करने का एक अत्यंत प्रभावी मंच प्रदान करेगी , साथ ही यह प्रकाशन ई- पत्रिका के रूप में वर्षवार विद्यालय की वेबसाइट पर भी पाठकों के लिए उपलब्ध हो, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुँच हो | मैं प्राचार्य, शिक्षकों और छात्रों को विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी शुभकामना देता हूँ |

आयुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन

Dr. P.DEV KUMAR



Message from DC(RO)Desk

The aim of education is not just to pursue academic excellence but also to empower students to be lifelong learners, critical thinkers and productive members of an ever changing global society.

The need of the hour is the judicious blend of academics, creativity along with values and ideals to proceed on the track of excellence and continual progress. Indeed, the Vidyalaya Patrika is one such fruitful and productive medium to give vent to the imagination of our dearest stakeholders.

I also urge the students to bring forward their hidden talents and potentials to chisel their readiness to face the challenges of the modern competitive world. It's high time to work out for holistic development. They have to overcome unnecessary inhibitions and be pragmatic and optimistic in their approach towards any situation. They must realize they are capable of a wonderful transformation towards being an all personality.

I extend my heartiest congratulations to each and every person associated with the publication of this marvelous testament of originality and innovation, the Vidyalaya Patrika-2019. I wish everyone the best of luck and load faith in themselves

JAI HIND

Dr.P.DEV KUMAR

KVS RO CHANDIGARH



CHAIRMAN'S MESSAGE

It is a matter of pride to pen down the message for E-magazine of KV GAJJ (BHUNGA).

Academic excellence along with Co-curricular and extra co-curricular activities complete the process of education. And it gives me great satisfaction that the school is progressing in all its endeavours towards the overall development and personality of the students.

The school is a platform for the students to express their creative pursuit which develops in them originality of thought and perception. The contents of the E-Magazine reflect the wonderful creativity of thoughts and imagination of our students.

My heart fills with immense pleasure as I perceive the progress being made at school. I am Thankful to Publish E-Magazine (Nav-Srajan).

Amrit Singh

**ADC Hoshiarpur
(Nominee Chairman)**

प्राचार्य सन्देश

धर्म सिंह



विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन आत्मीय संतोष एवं गर्व का विषय है। कंक्रीट के उगते-बढ़ते जंगलों में, अत्याधुनिक यांत्रिकता के कठिन दौर में विद्यार्थियों की संवेदनशीलता, अनुभूतियों, कल्पनाओं एवं स्वप्नों की मूर्त अभिव्यक्ति भविष्य के प्रति आश्वस्त करती है कि अभी भी मन की भावना एवं मस्तिष्क की स्वतंत्र चेतना को उर्वरता के साथ विकसित होने के लिए पर्याप्त जमीं उपलब्ध है। विद्यालय द्वारा समय-समय पर पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। उनकी उपलब्धियों से निर्मित पत्रिका विद्यार्थियों के लिए संजीवनी सदृश्य बन जाएगी। विद्यार्थियों द्वारा उनके प्रथम प्रयास में रचित उनकी लघु किन्तु स्व-रचित कृतियाँ उनके लिए एक मील का पत्थर प्रमाणित होंगी। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को सृजनात्मक कैनवास उपलब्ध करवाया गया है। मौलिक आत्म-अभिव्यक्ति और उपलब्धियों से परिपूर्ण विद्यालय-पत्रिका के ई-प्रकाशन से नवोन्मेष के प्रयास के लिए संपादन-मंडल का प्रयास सराहनीय है। आइए, हम अपने बच्चों को प्रेरित करें, यदि कुछ महान चाहते हैं तो अत्यधिक परिश्रम करें, यदि कुछ असाधारण हासिल करना चाहते हैं तो अद्भुत प्रयास और निर्लिप्तता अपेक्षित है, परिणामस्वरूप आपसे कुछ लिए बिना ही संसार आनंदपूर्ण प्रज्ञा-भावना से परिपूरित दिखाई देगा, इस विश्वास से भरकर सम्पूर्ण विश्व में आत्म-वाणी का स्वर-गान गूंज उठेगा, “सत्यम् शिवम् सुन्दरम्”।

धर्म सिंह प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय भुंगा (होशियारपुर)

सम्पादकीय

गुरनाम सिंह



शिक्षा जगत में विद्यालय पत्रिका विद्यालय की प्रगति ,भावी योजनाओ को प्रस्तुत करने का माध्यम होने के साथ-साथ विद्यार्थियों की लेखन शक्ति विचारों, भावों और कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त एवं प्रबल साधन है | प्रस्तुत विद्यालय ई- "पत्रिका के रूप में प्रथम प्रयास है | इस पत्रिका में अधिकतम स्थान छात्रों की रचनाओं को ही प्रदान किया गया है ,तथा संस्था की विविध गतिविधियों,विभागीय परिचय उनके क्रिया-कलापों का संक्षेपित विवरण प्रस्तुत किया गया है | छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह से वृहत संस्था में रचनायें देकर अपनी लिखित अभिव्यक्ति तथा मौलिक चिंतन शैली का परिचय दिया है | यह पत्रिका आपके लिए, आपके द्वारा, आपसे प्राप्त सामग्री का प्रस्तुतीकरण है| ,जो हम सभी की प्रेरणा का श्रोत एवं सशक्त आधार है | आशा करता हूँ कि "नवसृजन" से अवश्य ही छात्रों में नव संचार की अनुभूति होगी |

शुभकामनाओं सहित |

गुरनाम सिंह स्नातकोतर शिक्षक

(हिंदी)

अनुक्रमणिका

SR.NO	ARTICLE	PAGE NO.
1	Result	1
2	Editorial Board	2
3	Games of Vidyalaya	3
4	Academic Toppers	4
	हिंदी अनुभाग	5-29
5	किताबें	5
6	माता-पिता	6
7	हँसते-हँसते	7
8	खुद करके तो देख	8
9	बेटियाँ	9
10	वक्त	10
11	पेड़ बचाओ	11
12	केंद्रीय विद्यालय हमारा	12
13	भूल-भुलैया	13
14	फ़ास्ट फ़ूड	14
15	अनमोल वचन	15
16	मैं टीचर बन जाऊँ	16
17	समूहगान	17
18	पंछी बचाओ	18
19	रोजगार की कमी	19
20	पहेलियाँ	20
21	गुलाब का फूल	21
22	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	22

23	बेटियां बोझ नहीं	23
24	चौका छक्का	24
25	चलो स्कूल	25
26	प्यारी मम्मी मेरी	26
27	बेटी	27
28	हिन्दी दिवस	28
29	तारे	29
	ENGLISH SECTION	30-47
30	My Cat Is Fat	30
31	Save fuel For Better Environment	31
32	Be Good to your enemies	32
33	Life	33
34	Let's Go	34
35	Trees	35
36	Parrot	36
37	I wonder why	37
38	Thoughts	38
39	Makes your life add up	39
40	Save Girl	40
41	Mother	41
42	My Pet	42
43	International Day Of Yoga	43
44	Riddle	44
45	<i>Kendriya Vidyalaya</i>	45
46	Hindi-Day	46
47	Math Magic	47
48	संस्कृत अनुभाग	48
49	Teacher Corner	49
50	School Staff	50

SCHOOL RESULT

CLASS –X

APPEARED	PASSED	FAIL AND COMP	PASS %	0-32.9	33-44.9	45-59.9	60-74.9	75-89.9	90-100
26	23	3	88	1	3	8	12	1	1

CLASS –XII (SCI)

APPEARED	PASSED	FAIL AND COMP	PASS %	0-32.9	33-44.9	45-59.9	60-74.9	75-89.9	90-100
12	11	1	91.67	0	0	1	8	3	0

EDITORIAL BOARD



संपादक -मंडल

संरक्षक - श्री धर्म सिंह (प्राचार्य)

मुख्य संपादक - गुरनाम सिंह (पी.जी.टी. हिंदी)

संपादक श्रीमती पिकी (संगणक अनुदेशक)

हिंदी अनुभाग

अंग्रेजी अनुभाग

संस्कृत अनुभाग

संगणक अनुभाग

1 श्री गुरनाम सिंह

1 श्री राहुल मालिक

1 श्रीमती तरुणा शर्मा

1 श्री हरप्रीत सिंह

2 श्री संदीप कुमार

2 श्री रामरस चौधरी

3 श्रीमती सुमन

छात्र- प्रतिनिधि

1 महक कक्षा 12 वीं (2) विवेक कक्षा 11वीं

GAMES OF VIDYALAYA



Runner up Team Kabaddi Boys (under 14) KV Gajj

ACADMIC TOPPERS

S.NO	NAME	CLASS	SESSION	MAXIMUM MARKS	OBTAINED MARKS	PERCENTAGE
1	GURMEHAK	X	2018-19	500	454	91%
2	AKARSHARN	XII	2018-19	500	382	76.40%



GURMEHAK CLASS X



AKARSHARN CLASS XII



किताबें

हम सब की अच्छी दोस्त किताबें
करती हम सबसे ज्ञान की बातें ,
अगर न होती किताबें अन्धकार
को दूर कैसे भगाते ?
जीने की राह दिखाती
सुन्दर अच्छा मानव बनाती,
है अच्छी ये दोस्त हमारी
जग की बातें बताती।
दुनिया भर के सभी अजूबे
हमको है दिखलाती,
जो इनसे है नाता जोड़े
उनका साथ ये कभी न छोड़े।
ऐसी सच्ची दोस्त हैं
जो संकट में कभी न छोड़े साथ।
हम सबकी अच्छी दोस्त किताबें
करती हम सबसे ज्ञान की बातें,

सलोनी

कक्षा 7अ



माता पिता

माँ की ममता सबसे प्यारी,
सारे जग में सबसे न्यारी,
सबके दिल को भाने वाली,
प्यार का मोल सिखाने वाली.

पिता का प्यार भी है अनोखा,
सारे जीवन को उमंगों से भरता,
हाथ पकड़कर चलना सिखाए,
जीवन की नयी राह दिखायें.

मात पिता की सेवा करना,
प्यार नम्रता में ही चलना,
सदाचार अपनाते रहना,
जीवन खुशियों से तुम भरना.

पापा

मेरे प्यारे प्यारे पापा,
मेरे दिल में रहते पापा,
मेरी छोटी सी खुशी के लिए
सब कुछ सेह जाते हैं पापा,
पूरी करते हर मेरी इच्छा ,
उनके जैसा नहीं कोई अच्छा,
मम्मी मेरी जब भी डांटे,
मुझे दुलारते मेरे पापा,
मेरे प्यारे प्यारे पापा !



कविता -ःहँसते -हँसते

हँसते -हँसते नन्हें से फूल खिला देंगे

अब इस धरती को हम स्वर्ग बना देंगे।

रंग बिरंगे पुष्पों से गले की माला बनाएंगे

ठान लिया जीवन में वह काम करके दिखलायेंगे

जब प्यार पुष्पों से खिल उठता है जग सारा

इसी तरह हृदय हृदय में होना चाहिए भाईचारा

हर बाग़ बगीचा भरा हुआ इन पुष्पों से

इस तरह गली मोहल्ले गुजरता है बच्चों की किलकारियों से

अनमोल

कक्षा - 7सी



खुद करके तो देख

हे भगवान जरा स्कूल आकर तो देख
दो पल स्कूल की जिंदगी निभा के तो देख
दिव्य शक्ति से होते रहे हमेशा इधर उधर-
कभी स्कूल तक साईकिल चलाकर तो देख
सोये रहते हो हमेशा शेषनाग की छाया में
कभी रात 12 बजे तक पढ़ कर तो देख
पुण्य पाप का बोझ ही उड़ाते रहे हो
कभी 10 की किताबे तो उठा कर तो देख
सुनते हो भगतो की इक्षाएं हमेशा
कभी टीचर लेक्चर तो सुनके देख
कर तो दिए भारत के अलग अलग हिस्से
खुद इतिहास का नक्शा भर के तो देख
हे भगवान जरा स्कूल आकर तो देख
दो पल स्कूल की जिंदगी निभा के तो देख

कोमल

कक्षा -7 सी



बेटियाँ

आज आयी है कल चली जाएगी

पर एक बात है कर मेहनत अपनी

अलग शान बनाएगा

सबकी प्यारी होती है बेटियाँ

बेटो से ज्यादा माँ बाप को प्यारी होती है बेटियाँ

इन्हे ना मारो इन्हे बचाओ

इन्हे पढ़ा लिखा कर एक अलग दुनियाँ बनाया

माँ बाप के लिए जान भी कुर्बान कर देती है

इनका न करो अपमान

क्योंकि यह है भारत का संविधान

तक्षा शर्मा

कक्षा 8



वक्त

भागा जा रहा था एक मिनट भी नहीं ठहरता था फिर कभी वापिस नहीं आता था

ऐसे समय का रहता है इंतज़ार जैसे मनुष्य को पड़ता है दुःख सुख सहना

दो दो हो ही जाये पर एक बार गया मूढ़ कभी वापस आये

एक बार जाता है बीत

यही है समय की रीत

दोस्तों समझो तुम समय का महत्व

अगर एक बार बीत जाये

फिर कभी न वापस आये

तक्षा शर्मा

कक्षा-8 वीं



पेड़ बचाओ

पेड़ है हमारे दोस्त

पेड़ है हमारे साथी

अगर तुम कटोगे इनको

तो होगी बर्बादी

पेड़ है हमारा जीवन

पेड़ है तो हम है

अगर न होंगे पेड़ यहाँ

तो आँखे मेरी नम है

पेड़ नहीं होंगे तो,

हम कहा रहेंगे

पेड़ो को बचा कर सब तुम

खुशहाल जीवन जिओगे

ऐ इंसान सुन लो ये बात

पेड़ो को न काटो तुम

बस इतनी सी बात मान लो पेड़ो को लगाओ तुम ।

महकप्रीत कौर

कक्षा 8



केंद्रीय विद्यालय हमारा

केंद्रीय विद्यालय है हमारा

यह है सबसे प्यारा स्कूल

खिलते इसमें सुंदर फूल

लगते मुझे बहुत प्यारे

अध्यापक हमारी करते मदद

यह है सबसे प्यारा स्कूल

केंद्रीय विद्यालय है हमारा

खिलते इसमें सुंदर फूल

कुलविंदर कौर

कक्षा 7



भूल-भुलैया

पानी कहाँ है ? मटके में।

मटका कहाँ है ? रसोई में।

रसोई कहाँ है ? घर में।

घर कहाँ है ? पंजाब में।

पंजाब कहाँ है ? भारत में।

भारत कहाँ है ? एशिया में।

एशिया कहाँ है ? संसार में।

संसार कहाँ है ? पानी में।

पानी कहाँ है ? मटके में।

जस्मीन कौर

कक्षा -6



फ़ास्ट फ़ूड

क्यों खाते हो बरगर पिज़्ज़ा,
पौष्टिक आहार खाओ।
इस पौष्टिक खाने को खाकर,
स्वास्थ्य स्वस्थ बनाओ।

इस फ़ास्ट फ़ूड में रखा है, क्या ?
उल्टा पेट तुम्हारा दुखेगा।
इन व्यंजनों को खाकर तुम्हारा,
कैसे स्वास्थ्य स्वस्थ बनेगा ?

इस सुंदर भारत को तुम,
बीमार का न घर बनाओ।
पौष्टिक आहार व्यंजन खाकर,
अच्छी सेहत पाओ।

अदिति

कक्षा -7 स



अनमोल वचन

मूर्ख के हाथ शहद भी मीठा नहीं लगता,

जब की बुद्धिमान के हाथ में जहर भी मीठा लगता है,

मन से बड़ा कोई दुश्मन नहीं,

और मन से बड़ा कोई सच्चा मित्र भी नहीं।

माँ दुआ देती है,

और पिता हौसला।

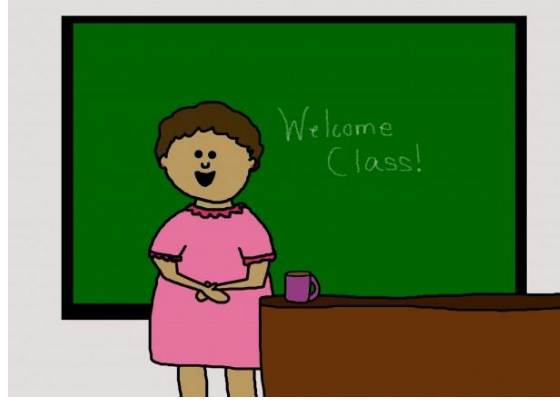
शब्द निकले जुबान से, तीर निकले कमान से ,

कभी वापस नहीं आते।

बदले की भावना कभी न रखे।

नवजोत कौर

कक्षा 6:



में टीचर बन जाऊं

पाठशाला की मैं एक टीचर ,

बच्चों की मैं प्यारी टीचर।

कक्षा में ये सारे बच्चे।

कही किताबें कही है कक्षा,

सबसे प्यारी है ये शिक्षा।

तन्वी ठाकुर

कक्षा 7



समूह गान

ऊँचे ऊँचे पर्वतो पे नदी का किनारा

हरे भरे खेतो और बागों का नजारा

बड़ा प्यारा ये देश है हमारा

यहाँ बढे गंगा जैसे नदिया का पानी

धरती सुनाये जहाँ अपनी कहानी

जहाँ जाये ऋतुएँ की रुत सुहानी

बड़ा प्यारा ये देश है हमारा

भारत के हम बच्चे है संकल्प हैं हमारा

पीछे छूटे साथियो को साथ मे मिलाना

के.वि. के हम बच्चे है संकल्प है हमारा

पीछे छूटे साथियो को साथ में है मिलाना

बड़ा प्यारा ये देश है हमारा

तानिया

कक्षा 7 स



पंछी बचाओ

आज के समय में लोग टेक्नॉलजी का बहुत प्रयोग करते हैं जैसे मोबाइल फोन और इसी मोबाइल फोन के बहुत ज्यादा मात्रा में मोबाइल फोन टावर भी लगे हुए हैं क्या दोस्तों आपको इस बात का अंदाजा भी है कि इसी मोबाइल फोनो के टावरों से निकलने वाली रेंज की वजह से पंछी खत्म हो रहे हैं आने वाले समय में शायद ही आपको पंछी देखने को मिले इस लिए मोबाइल फोन के टावर को कम से कम लगाना चाहिए ।

पर्यावरण बचाओ  पंछी बचाओ

कोमल

कक्षा 7 स



रोजगार की कमी

हमारे देश में रोजगार की बहुत कमी है इसका कारण मशीनी युग है जिसकी उदाहरण पहले साइकिल रिक्शा वाले होते थे रिक्शा वाले सवारी लेकर जाते थे परंतु ऑटो रिक्शा आने से साइकिल रिक्शा की मांग कम हो गई है जिससे साइकिल रिक्शा का काम बंद हो गया है लोग ऑटो रिक्शा में आने लगे हैं जिससे उनके पैसे व् समय बच जाता है ।

दूसरा उदाहरण पहले लोग लाख की चूड़ियाँ पहनते थे लेकिन अब मशीनी युग आने से कांच की चूड़ियां बनने लगी है उस से लाख की चूड़ियों का धंधा बंद हो गया है इस लिए हमारे देश में बेरोजगारी का कारण मशीनी युग भी है ।

ईशा देवी

कक्षा 7 स



पहेलियाँ

1. ऐसी कौन सी चीज है जो पानी में गिरने पर गीली नहीं होती है
2. शरीर का वह कौन सा अंग है जो जन्म के बाद आता है और मृत्यु से पहले चला जाता है
3. धूप देखकर में आ जाऊं छाया देखकर शर्मा जाऊ जब हवा करे मुझे स्पर्श तो उसमे समा जाऊ
4. एक हाथी पानी में गिर गया अब वह बहार कैसे निकलेगा
5. ऐसी कौन सी चीज है जो ठण्ड में भी पिघलती है
6. ऐसी कौन सी सब्जी है जिसमे ताला और चाबी दोनों आते हैं
7. बेशक न हो हाथ में हाथ जीता है वह आपके साथ
8. दो सुंदर लड़के दोनों एक रंग के यदि एक बिछड़ जाये तो दूसरा न काम आये

उत्तर:- 1. परछाई, 2. दांत, 3. पसीना, 4. गिला होकर, 5. मोमबत्ती, 6. लौकी, 7. परछाई,
8. जूता

सुनिधि भाटिया

कक्षा 7 बी



बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

होती है वह वरदान भगवान का वह तुम्हारी माँ होती
वह बहन भी अध्यापक बनके बच्चों को आगे बढ़ाती
वह सफल उनके जीवन में करती तुम पूजा करते माता की
पर बेटी को तुम दुःख देते वह भी तो माता का रूप है
फिर क्यों उन्हें दुःख देते तम्मना तुम करते बेटे की
पर तुम्हे पता है कि बिन संसार एक बिना जड़ो का पेड़ है
तुम सोचते बेटा पाकर तुम सुखी रहोगे यह अच्छा नहीं है
बेटी की मदद करे उन्हें पढ़ाओ ,जीवन में सफलता पायें
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ |

विनय

कक्षा 7 बी



बेटियां बोझ नहीं

शाम हो गयी अभी तो घुमने चलो पापा
चलते चलते थक गयी
अभी तो उठाओ न पापा
अँधरे में डर लगता है
आप भी साथ चलो न पापा
मम्मी तो सो गयी
अब आप ही लोरी सुनायो न पापा
स्कूल तो जा आयी
अब कॉलेज भी जाने दो न पापा
मैंने खाना खा लिया अब आप भी खाओ पापा
छोटी से बड़ी किया
अब जुदा तो न करो पापा
अब जुदा तो कर रहे हो
फिर आंसू तो न बहाओ न पापा
आपकी मुस्कराहट अच्छी है
जरा मुस्कराओ न पापा
आप ने मेरी सारी बात मानी
एक और मान लो न पापा
बेटियां बोझ नहीं इस दुनिया को बताओ न पापा ।

विनय
कक्षा 7 बी



परिवार

परिवार से बड़ा कोई धन नहीं

पिता से बड़ा कोई सलाहकार नहीं

माँ की छाँव से बड़ी कोई दुनिया नहीं

भाई से बड़ा कोई भागीदार नहीं

बहन से बड़ा कोई शुभचिंतक नहीं

पत्नी से बड़ा कोई दोस्त नहीं

इसलिए परिवार के बिना जीवन नहीं

आगे बढ़ने की चाहत में परिवार पीछे छूट रहा है

और इनसे मिलने वाली खुशियाँ भी परिवार प्यार का दूसरा नाम है

अपने परिवार को समय दीजिये इससे विश्वास का रिश्ता बनेगा

परिवार की खुशी में हमारी खुशी है परिवार में कायदा नहीं व्यवस्था है

परिवार में सूचना नहीं समझ होती है परिवार में कानून नहीं अनुशासन होता है

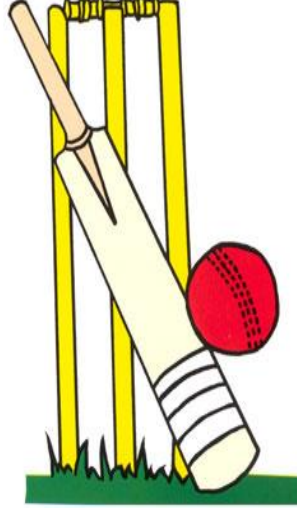
परिवार में भय नहीं भरोसा होता है परिवार में शोषण नहीं पोषण होता है

परिवार में आग्रह नहीं आदर होता है

अर्शदीप कौर

कक्षा 7 बी

चौका छक्का



धूम धड़क्का

धूम धड़क्का

सचिन का चौका

सचिन का छक्का

रह गए सारे

हक्का बक्का

चौका छक्का

धूम धड़क्का

विशाल
कक्षा 7 बी

चलो स्कूल



सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

पढ़ेंगे पढ़ायेंगे,

हरे हरे

लाल लाल फूल।

चलो भाई

जल्दी,

चलो स्कूल।

छूट गई पेंसिल

कापी गई भूल

जल्दी लो

भाई,

चलो स्कूल।

महादेव

कक्षा -5 अ



मेरी प्यारी मम्मी

मेरी प्यारी मम्मी ,मेरी अच्छी मम्मी

मेरी दुलारी मम्मी,मेरी प्यारी मम्मी

मेरे जीवन का आधार मम्मी,मेरी खुशी का नाम मम्मी

मेरी प्यारी मम्मी ,मेरी अच्छी मम्मी ,

मेरे दुखो को हरने वाली मम्मी

मेरी प्यारी मम्मी ,मेरी अच्छी मम्मी

भूपेश जांगड़ा

कक्षा तृतीय

बेटी

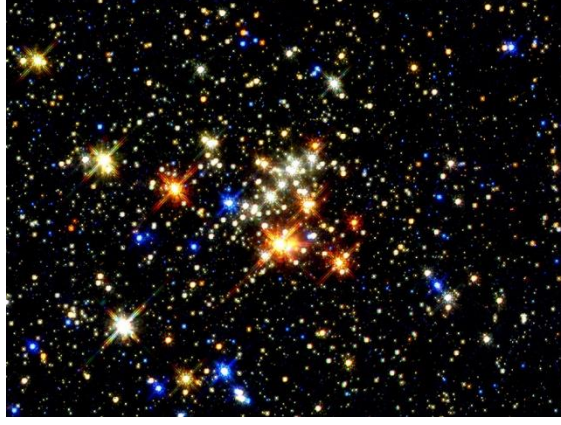
बेटी के प्यार को कभी परखना नहीं
वह फूल है उसे कभी रुलाना नहीं
पिता का तो संसार होती है बेटी
जिंदादिली की पहचान होती है बेटी



उसकी आखें कभी नम न होने देना
उसकी जिन्दगी से कभी खुशिया कम न होने देना
उंगली पकड़ कर कल जिसको चलाया था तुमने
फिर उसको ही तो डोली में बिठाना होगा तुम्हे

बहुत छोटा सा सफ़र होता है बेटिया के साथ
बहुत कम वक्त के लिए होती है अपने पास
असीम दुलार पाने की हकदार होती है बेटियाँ
समझों भगवान का आशीर्वाद होती हैं बेटियाँ

गुरनाम सिंह
पी.जी.टी हिंदी



तारे

आसमान में चमके तारे

लगते कितने प्यारे-प्यारे

छोटे-छोटे ,प्यारे -प्यारे

झिलमिल-झिलमिल करते तारे

रात अंधेरी जब होती है

रात दिखाते है यह तारे

आते हैं यह काले बादल

छिप जाते है यह तारे ।

शोभना

कक्षा-5

My Cat Is Fat



My Cat Is Fat

I've a cat named tony
And he eats all day.
He always lays around,
And never wants to play.
Not even with a squeaky toy,
Nor anything that moves.
When I have him exercise,
He always disapproves.
So we've put him on a diet,
But now he yells all day.
And even though he's thinner,
He still won't come and play.

MANPREET

CLASS 4th



SAVE FUEL FOR BETTER ENVIRONMENT

Fuel is a natural resource .We get fuel like coal, petroleum and diesel from petroleum and fossil fuels. Coal and petroleum are actual resources. There are two types of natural gases which are used by us, CNG and LPG. Petroleum takes millions of years to replenish. If the petroleum is finished, it takes millions of years to form it. We should balance the need to use resources and also conserve it for future. The future of our planet and its people is linked with our ability to maintain and preserve the fuels. It is a non-renewable resource. It is necessary to reduce wastage in the mining.

Petroleum:- Petroleum is also called black gold because it is very valuable. USA, Russia and Iran are major producers of petroleum.

Coal:- Coal is the most abundantly found fossil fuel. The energy generated from coal is called thermal power.

We should conserve fuel in these ways at home, offices, schools etc.

Don't use vehicle for short distance.

We should save our environment.

We should not cut trees.

Don't buy premium fuel.

Avoid uphill speed increment.

Don't drive in rush

We should save fuel for our better environment.

Arshdeep Kaur

CLASS 10th



Be Good to your enemies

Long ago, there lived a little boy named Rohit. He was a good boy. He was good in studies, obedient to his parents, more intelligent than other boys in his class. Now, there was another boy named Rohan who studied in the same class as Rohit. Like Rohit, he was not good at studies and always liked to play during school hours. He misbehaved with his parents. He always tried to put Rohit down. On his eighth birthday, Rohit got a nice pen as a gift from his parents. He brought it to school so that he could use it in the class. This was a very beautiful pen and it could help to write very fast. When, Rohan saw it, he was jealous of his friend. He decided to steal Rohit's pen. During recess, when everyone had gone out from the class, Rohan opened Rohit's bag and took out his pen. When Rohit came back and could not find his pen, he informed his class teacher about it. The class teacher ordered the class monitor to search the bag of every child inside the class. The missing pen was found out of Rohan's bag. Rohit requested his teacher not to take any action against Rohan now that his stolen pen was found. From that day Rohan changed very much and he became good friend of Rohit. One day, our behaviour may just change others for the better.

Moral:- Do not harm someone even if he harms you. Be good to all.

Sandeep Kaur

CLASS 9th



LIFE

**LIFE IS A DEFINITE GOAL,
SURELY TO BE ACHIEVED.**

**LIFE IS NEVER A BURDEN,
WHICH IS TO BE HEAVED.**

**LIFE IS A TOUGH STRUGGLE,
AS THE ELDERS SAY.**

LIFE IS NOT A JOKE, TO BE FRITTERED AWAY

**LIFE IS A CONTEST,
TO BE WON FOR SURE.**

**LIFE IS NO DISEASE.
TO HARD TO CURE.**

**LIFE IS NOT A GAMBLE,
WHICH IS TO BE PLAYED.**

**LIFE IS A JOURNEY,
COMFORTABLY TO BE MADE.**

Navjot Singh

Class= 9th



Let's Go

Strength High

Strength Wide

Jump Forward

Jump Back

Learn Left

Learn right

Hop Once

Hop Twice

Reach up

Reach down

Twist Small

Twist tall

Shake Fast

Shake Slow

Touch Nose

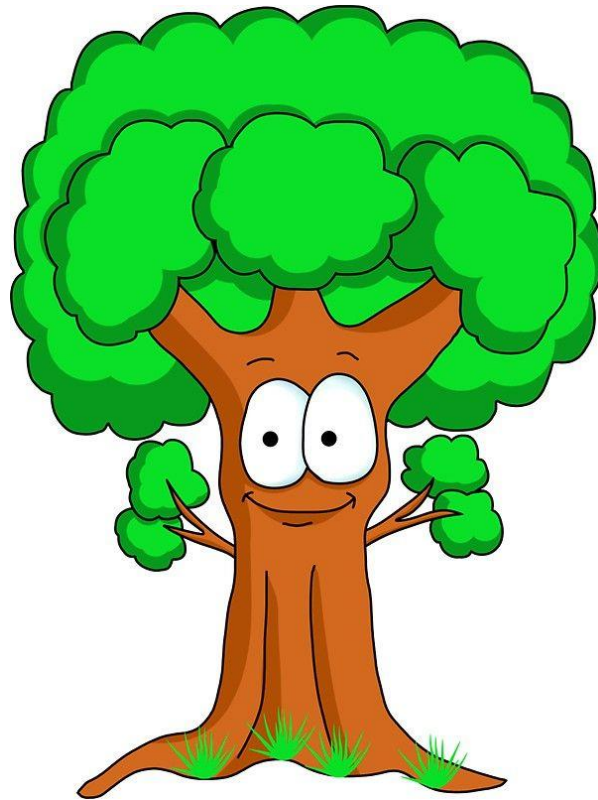
Touch Toes

Stand up

Let's Go!

Kanu Priya

Class 8th



Trees

Trees are our friends which give us fruits.

Trees are our lives which give us air to live.

Trees are everything for us

Who will help to grow the earth green

And make world green everywhere.

Trees are our friends we are trees' friends

We both make the world bright and green

So, everyone must plant a plant and if planted,

The world will become green forever and ever.

Archana

Class-9th

PARROT

Sweet bird is a parrot ,lovely green and red.

It eats fruits and nuts either squeaks or speaks .

He looks sad through his cage pleads with tearful eyes.

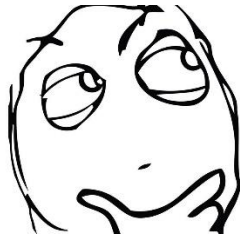
He flaps his wings to rid of her prison house.

He goes round and round in it, waiting to fly away into sky.



Palvika

Class:- 3rd



I wonder why

I wonder why the grass is green, and why the wind is never seen ?

Who taught the birds to build a nest and told the tree to take a rest ?

Or, when the moon is not quite round, where can the missing bit be found ?

Who lights the stars, when they blow out, and makes the lighting flash about ?

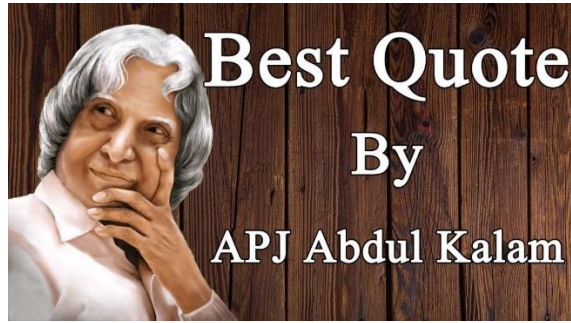
Who paints the rainbow in the sky and hangs the fluffy clouds so high ?

Why is it now, do you suppose.

That dad won't tell me, if he knows ?

NAVJOT

Class:- 8th



Thoughts

1. Your mind is a magnet:
If you always think of blessing you attract more blessing.
Always keep good thought and always stay positive.
2. A positive mind finds opportunity in everything
A negative mind finds fault in everything.
3. Life is best for those who are enjoying it.
Difficult for those who are comparing it.
Worst for those who are criticizing it
Your own attitude defines your life
So, enjoy life for each moment.
4. A tree that wants to touch
The sky must extend its
Roots into the earth
The more it wants to rise upward the more
It has to grow downwards

So to rise in life, we must be down to earth

PRIYANKA

Class:- 12th



Make your life add up

Physics

There is no science in this world like physics. Nothing comes close to the precision with which physics enables you to understand the world around you. It's the laws of physics that allow us to say exactly what time the sun is going to rise. What time the eclipse is going to begin. What time the eclipse is going to end.

Chemistry

Life is chemistry

Delete your sorrow

Evaporate your worries

Filter your mistakes, boil your ego "you will get the crystal of happiness"

THINK LIKE A PROTON

AND STAY POSITIVE

The scientist is not a person who gives the right answers, he is one who asks the right questions.

Biology

There's biology in everything, even when you're feeling spiritual.

"Biology gives you a brain, life turns it into a mind"

Math

Mathematics is not about numbers, equations, computations or algorithms. It is about

UNDERSTANDING

LOVEPREET

Class:- 11th Medical



Save Girl

Save girl, save girl

They are the gift of God. Girls are your mothers, sisters and teachers. They help you in anything and at anytime. You pray to goddess but you hurt the girl. They are also the face of goddess and you do not respect them. It is not fair. Why do you wish to have a boy ? Only boys can't move the circle of world. Without girls the world is like a tree without roots. Help girls to study and help them to succeed in life.

Save girl, save girl

Arshdeep
Class:- 10th



MOTHER

God's wonderful gift is my mother, she allows me never to bother.

Everyday tasty food she cooks also packs all my books.

My dirty clothes she washes, my silly deeds she bashes.

I love her lovely smile, never looks tired even for a while.

Class-7th



MY PET

My little cute pup, he eats up my sup.

He rolls and licks even barks and kicks.

He loves to play with ball and jumps to reach tall trees.

He chases away the strangers ,does the duty of rangers.

he bites his food plate, always guards at the gate.

Class-4th



Yoga is an ancient physical, mental and spiritual practice that originated in India. The word 'Yoga' derives from Sanskrit and means to join or to unite, symbolizing the union of body and consciousness.

Today it is practiced in various forms around the world and continuous to grow in popularity.

Recognizing its universal appeal, on 11 December 2014, the United Nations proclaimed 21 June as the International Day of Yoga by resolution 69/131.

The International Day of Yoga aims to raise awareness worldwide of the many benefits of yoga.

Ranjana
Class-9th

Riddle

Riddle: I am an odd number. Take away a letter and I become even. What number am I?

Solution: Seven

Riddle: What has hands but doesn't clap?

Solution: A clock.

Riddle: What has to be broken before you can use it?

Solution: An egg



**Jaspreet
Class-6th**



School Sch...

To KENDRIYA VIDYALAYA School

We sing today the school we love all the way

May it always earn fame!

May it achieve a big name!

Whatever hardships does it faces

Teacher here are efficient

Teacher here are benevolent

They guide us on right way

For our good they always pray

To KENDRIYA VIDYALAYA School

We sing today the school we love all the way

All –round development is the aim

Cultured students bring it fame

They all are going to become

Honourable and worthy prudents

Environment here is inspiring and gay

It's happy,healthy all the way

All do we wish today –may it go a long way!

SAKSHI
CLASS -7th



Beohar Rajendra Simha, the acclaimed Hindi-stalwart. On his 50th birthday (14-09-1949), Hindi was adopted as the Official Language of Republic of India, celebrating it as "Hindi-Day" since then

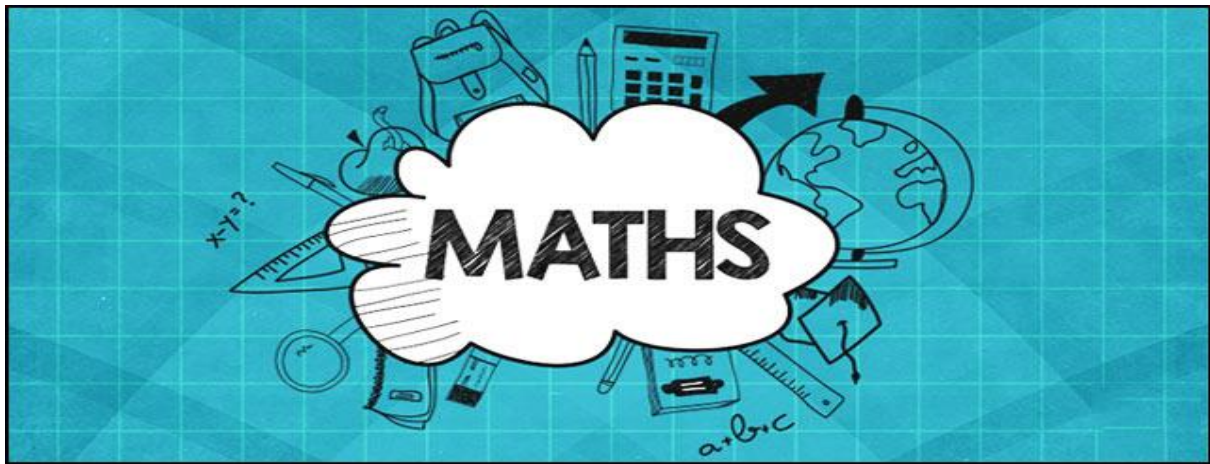
14 सितम्बर

हिंदी
दिवस



Hindi Divas is celebrated on 14 September because on this day in 1949, the Constituent Assembly of India had adopted Hindi written in Devanagari script as the official language of the Republic of India. But this didn't come as easily as it sounds. To this end, several stalwarts rallied and lobbied pan-India in favour of Hindi, most notable person Beohar Rajendra Simha along with Hazari Prasad Dwivedi, Kaka Kalelkar, Maithili Sharan Gupt and Seth Govind Das who even debated in Parliament on this issue. As such, on the 50th birthday of Beohar Rajendra Simha on 14 September 1949.

Prabhjot
CLASS 10th



MATH MAGIC

I F A B C D E F G H I J K L M
 N O P Q R S T U V W X Y Z
 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20
 21 22 23 24 25 26

HINDU - S H R E E K R I S H N A

$$19+8+18+5+5+11+18+9+19+8+14+1=135=9 [1+3+5=9]$$

MUSLIM - M O H A M M E D

$$13+15+8+1+13+13+5+4=72=9 [7+2=9]$$

JAIN - M A H A V I R

$$13+1+8+1+22+9+18=72=9 [7+2=9]$$

SIKH - G U R U N A N A K

$$7+21+18+21+14+1+14+1+11=108=9 [1+0+8=9]$$

BUDDHIST - G A U T A M

$$7+1+21+20+1+13=63=9 [6+3=9]$$

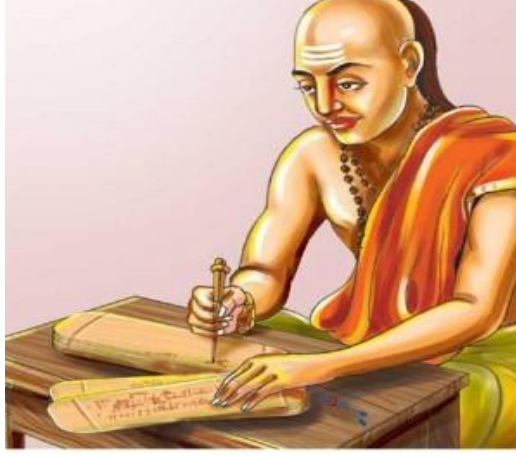
$$\text{CHRISTIAN - E S A M E S S I A H } 5+19+1+13+5+19+19+9+1+8=99=18=9 [9+9=18, 1+8=9]$$

Each one ends with number 9.

That is nature's creation to show that God is one!!!

Sunidhi

Class- 8th



चाणक्य श्लोक

यथा चतुर्भिः कनकं परीक्ष्यते निर्घषणच्छेदन तापताडनैः। तथा चतुर्भिः पुरुषः परीक्ष्यते त्यागेन शीलेन गुणेन कर्मणा॥

भावार्थ :

घिसने, काटने, तापने और पीटने, इन चार प्रकारों से जैसे सोने का परीक्षण होता है, इसी प्रकार त्याग, शील, गुण, एवं कर्मों से पुरुष की परीक्षा होती है ।



गीता श्लोक

यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति। शुभाशुभपरित्यागी भक्तिमान्यः स मे प्रियः॥

भावार्थ :

जो न कभी हर्षित होता है, न द्वेष करता है, न शोक करता है, न कामना करता है तथा जो शुभ और अशुभ सम्पूर्ण कर्मों का त्यागी है- वह भक्तियुक्त पुरुष मुझको प्रिय है ।

राजदीप कौर

कक्षा -7

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः । गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः
भावार्थ :गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, गुरु हि शंकर है; गुरु हि साक्षात् परब्रह्म है; उन सद्गुरु को प्रणाम ।

धर्मज्ञो धर्मकर्ता च सदा धर्मपरायणः । तत्त्वेभ्यः सर्वशास्त्रार्थादेशको गुरुर्च्यते
भावार्थ :धर्म को जाननेवाले, धर्म मुताबिक आचरण करनेवाले, धर्मपरायण, और सब शास्त्रों में से तत्त्वों का आदेश करनेवाले गुरु कहे जाते हैं ।

निवर्तयत्यन्यजनं प्रमादतः स्वयं च निष्पापपथे प्रवर्तते । गुणाति तत्त्वं हितमिच्छुरंगिनाम्
शिवार्थिनां यः स गुरुर्निगद्यते ॥

भावार्थ :जो दूसरों को प्रमाद करने से रोکتें हैं, स्वयं निष्पाप रास्ते से चलते हैं, हित और कल्याण की कामना रखनेवाले को तत्त्वबोध करते हैं, उन्हें गुरु कहते हैं ।

नीचं शय्यासनं चास्य सर्वदा गुरुसंनिधौ । गुरोस्तु चक्षुर्विषये न यथेष्टासनो भवेत्

भावार्थ :गुरु के पास हमेशा उनसे छोटे आसन पे बैठना चाहिए । गुरु आते हुए दिखे, तब अपनी मनमानी से नहीं बैठना चाहिए ।

किमत्र बहुनोक्तेन शास्त्रकोटि शतेन च । दुर्लभा चित्त विश्रान्तिः विना गुरुकृपां परम्

भावार्थ :बहुत कहने से क्या ? करोड़ों शास्त्रों से भी क्या ? चित्त की परम् शांति, गुरु के बिना मिलना दुर्लभ है ।

प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा । शिक्षको बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः ॥

भावार्थ :प्रेरणा देनेवाले, सूचन देनेवाले, (सच) बतानेवाले, (रास्ता) दिखानेवाले, शिक्षा देनेवाले, और बोध करानेवाले - ये सब गुरु समान हैं ।

गुकारस्त्वन्धकारस्तु रुकार स्तेज उच्यते । अन्धकार निरोधत्वात् गुरुरित्यभिधीयते ॥

भावार्थ : 'गु'कार याने अंधकार, और 'रु'कार याने तेज; जो अंधकार का (ज्ञान का प्रकाश देकर) निरोध करता है, वही गुरु कहा जाता है ।

शरीरं चैव वाचं च बुद्धिन्द्रिय मनांसि च । नियम्य प्राञ्जलिः तिष्ठेत् वीक्षमाणो गुरोर्मुखम् ॥

भावार्थ :शरीर, वाणी, बुद्धि, इंद्रिय और मन को संयम में रखकर, हाथ जोडकर गुरु के सन्मुख देखना चाहिए

नवदीप कौर

कक्षा 7

मां



माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करुणा-ममतायाः त्वम् मूर्ति,
न कोअपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।
तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति,
'माँ'शब्दस्य महिमा अपार,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार।

सिमरन कौर

कक्षा - 7



कविता का महत्त्व

कविताएँ समाज को बनाती है , कविता मानव को संवेदनशील बनाती है की , काव्य अपने आप में एक नयी ऊर्जा देता है और जब भी कोई साथ देने वाला नहीं होता है जब आपको कोई नहीं सुनता है उसी प्रार्थना को , उसी विनती को , उसी अर्जी को कविता में पिरो के देखो | चित्त को जो शांति मिलेगी उसकी कल्पना नहीं कि जा सकती है |

भारत कि आर्षवाणी में कवि को स्वयंभू कहा गया है "कविर्मनीषी परिभू स्वयंभू" वह मनीषी होता है |

क्योकि वह सब कल खंडो का संकलन करता है , वैदिक वांगमय में ईश्वर को कवि कि संज्ञा दी गयी है |

'पश्य देवस्य काव्यम न मार न जार्याति'

ईश्वर की काव्य सृष्टि को देखो जो कभी न मरती है न पुरानी होती है।

इस लिए मैं समझता हूँ कविता लिखना अपने आप में एक सौभाग्य की बात है

नीरज ने लिखा है --"आत्मा के सौंदर्य का शब्द रूप है काव्य

मानव होना भाग्य है, कवि होना सौभाग्य। "

लेकिन कविता की सबसे सुंदर परिभाषा तुलसीदास ने लिखी है। जब हम सब कुछ जान लेते हैं, तो पता चलता है कि कुछ भी नहीं जानते। यही तत्व कविता है। तुलसीदास ने लिखा है- सुगम अगम मृदु मंजु कठोरे, अरथु अमित अति आखर थोरे। शब्द अक्षर कहा है। कवि अक्षरों की मैत्री करता है, शब्दों की नहीं। क्योंकि वाक्य से सूक्ष्म शब्द और शब्द से सूक्ष्म अक्षर होता है। मेरा स्पष्ट मानना है कि आत्मा के सौंदर्य का शब्द रूप कविता है।

गुरनाम सिंह स्नातकोतर शिक्षक

(हिंदी)



MESSAGE

My dream is the need to have our students understand, remember and act upon the concept that the world needs not only well-educated and intelligent people ,but the world also needs people who are courageous and compassionate. We need people who extend their hands to help others and stand up for the rights of all mankind. The commitment to become “Moral and Intellectual Leaders, People of Dignity, Integrity and Compassion Who Want to Make Positive Difference in the World.”

The aim of education should be to teach the child to think, not what to think. This has been the endeavor of the KV. Along with touching the zenith of academic excellence, our earnest endeavor at school is to help our children fill their life with the light of positivity.

With the combined efforts of our hard working and dedicated faculty and supportive staff, goodwill of our friends, blessings and guidance of our patrons and sources of eternal inspiration we are confident that the school will continue to evolve consistently.

**Ms. Samriti Shelly
(Sr Most PRT)**



'नवसृजन'

एक अक्षर शब्द बना, शब्द से बनी रचना।

रचना को करने साकार , कर्मवीर पथ पर चला।

नव आस और विश्वास उर में कर्म पथ पर चल पड़ा।

लाख बाधाएं आईं मगर , दृढ़ निश्चय लिए तू रहा अड़ा।

आत्म बल का ओज अविरल है बह रहा, कल्पना संकल्पना में चित्त निश्चल सा बना।

कर्म रण के प्रत्येक क्षण में , हृदय में नव उल्लास हो।

नव कौपलों (कलियों) का 'नवसृजन' कर्म पथ पर एक सफल प्रयास हो।

तरुणा

(टी जी टी – संस्कृत)



Wonder of computer

The computer is one of the wonders of science. It is a marvelous machine. It makes Calculations at lightning speed and solves problems with efficiency and accuracy.

Computers are very useful to teachers and students. Lessons from different subjects can be stored in tiny capsules and reproduced wherever needed.

Computers can be used to work out examination results. Electronic printers are useful in the publication of results. Quick evaluation and entry of marks can also be done on computer.

Computers are of great use in medical care. They analysis huge amounts of blood. They even alert nurses to give proper dosage at night.

Today, the computer governs everything. Companies used them to calculate salaries of the employees. Banks record the amount deposited and the amount withdrawn. They check the cheques.

The police department use computers to compare fingerprints of suspects with those of the criminals.

Computers analysis radar signals. They warn soldiers of danger. Computer-aided cameras are used to monitor space. They reveal information on clouds and weather conditions.

Despite all this, there are some disadvantages also. Man has become a slave to these machines. He has become lazy and many people lose employment. Even a single mistake while working on the computer leads to a series of difficulties and heavy loss.

Ms. Pinky
Computer Instructor

KENDRIYA VIDYALAYA GAJJ(BHUNGA)

SCHOOL STAFF



Ist ROW: - Mr.Rohit Kumar, Mr. Gurmukh Singh, Mrs. Taruna, Mr.Jasbir Singh,
Mr. Gurnam Singh, Mr.Harpreet Singh, Mr. Dharm Singh(PRINCIPAL), Mrs. Suman,
Mrs. D.S Jha, Mr. Rahul Malik, Mr.Vikram Singh ,Mr.P Ram

IInd ROW: - Mrs. Namisha, Mrs. Shama, Mrs. Neha, Mrs. Ikwinder, Mrs. Rudhrani ,
Mrs. Pinky, Mrs. Swati, Miss.Tripti, Mrs. Shushma, Mr. Zaki, Miss. Heena, Mr. Vaneet

IIIrd ROW: - Mr. Shiv, Mr. Dinesh, Mr. Mahesh, Mrs. Astha Khosla, Miss. Astha,
Miss. Navjot, Mrs. Mukhta, Mr. Namit, Mr. Sandeep, Mr. Kulwinder, Mr. Ramrus,
Mr. K C Meena, Mr. Mohinder



केंद्रीय विद्यालय गज्ज भुंगा ।

नवसृजन ई- पत्रिका



2019-20